SHRI VASANT SATHE: While congratulating Shri Vajpayeeji on the good work that he is doing to continue to maintain the image of our country abroad and on receiving the invitation to visit China. I would like to know from him remembering his first speeches about our land that is at prsent in possesion of China, whether he would ensure that first proper steps will be taken to ensure that in trying to restore the relationsship, we do not skip in any way or slip in any way in our interests.

SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE: promise to ensure that.

चीन के उप-प्रधान मंत्री द्वारा दिया गया वक्तव्य

*232. **श्री जगदीश प्रसाद माथुर :**

श्री चित्त बसु :

क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या चीन के उप-प्रधान मंत्री ने अपनी हाल की नेपाल यात्रा के दौरान भारत–चीन संबंधों में सुधार करने के बारे में कुछ संकेत दिये थे;

(ख) क्या सरकार को इस बारे में अधिकृत रूप में कोई प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं; और

(ग) इस बारे में भारत सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ?

विदेश मंत्री (श्री अटल बिहारी वाजपेयी): (क) भारत–चीन संबंधों के बारे में चीन के उप-प्रधान मंत्री की कथित टिप्पणी की ओर भारत सरकार का ध्यान आकर्षित किया गया है जो उन्होंने 4 फरवरी 1978 को काठमांडू में एक संवाददाता सम्मेलन में नीचे लिखे अनुसार की थी :–

"भारतीय पक्ष की ओर के वक्तव्यों पर हमने ध्यान दिया है। जहां तक चीन का संबंध है हम दोनों देशों के बीच संबंधों को निकटतर लाने के इच्छुक हैं। परन्तु द्विपक्षीय संबंधों के मामलों में दोनों पक्षों की ओर से प्रयास जरूरी होंगे।"

(ख) और (ग). राजनयिक मार्गों के माध्यम से निरन्तर संपर्क के परिणामस्वरूप पंचशील सिद्धान्तों के आधार पर द्विपक्षीय संबंधों को सुधारने के लिए कई ठोस प्रस्तावों पर काम हो रहा है। भारत और चीन के बीच पारस्परिकता और आपसी लाभ के आधार पर विभिन्न क्षेत्रों में आदान-प्रदान हो रहा है। सीधे व्यापार एवं जहाजरानी संबंध पुन: स्थापित किये गये हैं और दोनों देशों के तकनीकी और अन्य कार्मिकों की यात्राओं के आपसी आदान-प्रदान का बढ़ाने के लिए अन्य उपाय खोजे जा रहे हैं।

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : अध्यक्ष महोदय इस प्रश्न को रखने के पश्चात् परिस्थिति में काफी परिवर्तन आया है। कल आप चीन से आये विशेष प्रतिनिधि-मण्डल से मिले हैं। इस सम्बन्ध में कुछ नये सुझाव क्या उन्होंने दिए हैं जिसके आधार पर आपको उन्होंने चीन की यात्रा का निमन्त्रण दिया है ? सरकारी प्रवक्ता की ओर से जो आज विज्ञप्ति प्रकाशित हुई है उसमें भी पंचशील के सिद्धांतों को आधार मानकर कुछ बातें की गई हैं। आपने भी अपने वक्तव्य में पंचशील को आधार माना है लेकिन पंचशील को आधार मानते हुए भारत के ऊपर चीन ने आक्रमण किया था इसलिए पंचशील के सिद्धांतों को आप उसी रूप में मान रहे हैं या जिस प्रकार से हमारी भूमि पर आज उनका कब्जा बना हुआ है उस संदर्भ में भी आपने अपनी बातों में कोई प्रगति की है और उसका कोई उत्तर आने ही आगे कोई बातें होंगी ?

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अध्यक्ष महोदय पंचशील के सिद्धांत का आधार यह है कि भिन्न भिन्न आर्थिक और राजनीतिक

व्यवस्थाएं होते हुए भी देशों के बीच में सह-अस्तित्व हो सकता है और होना चाहिए। उसकी दूसरी मुख्य बात यह है कि किसी भी देश को किसी दूसरे देश के घरेलू मामलों में दखल नहीं देनी चाहिए। तीसरी बात यह है कि यदि कोई विवाद खड़ा होता है तो उसको शांति के साथ बिना बल प्रयोग के हल किया जाना चाहिए। हम इस कसौटी पर अपने सबसे बड़े पड़ौसी चीन के साथ जो सीमा का प्रश्न है उसको हल करना चाहते हैं। उन्होंने भी यह आशा प्रकट की है कि इस आधार पर प्रश्न हल हो जायेगा और हमने भी इसी आशा को व्यक्त किया है।

SHRI JAGDISH PRASAD MATHUR: I do not want to put further question.

श्री एच० एल० पटवारी : मैं विदेश मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि वे विदेशों के साथ सम्बन्ध सुधारने के जो प्रयास कर रहे है—क्या इस सम्बन्ध में पूर्वांचल के राज्यों का भी ध्यान रखा जायेगा। अभी तक पूर्वांचल के राज्यों और असम का एम्बेसडर्स को एप्वाइन्टमेन्ट में विदेश सेवाओं में कोई ध्यान नहीं रखा गया है क्या वे अब उन का ध्यान रखेंगे ?

श्री अटल बिहारी वाजपेयी अगर किसी क्षेत्र की उपेक्षा की गई है तो उस का ध्यान जरूर रखा जायेगा।

SHRI SAUGATA ROY: May I know whether the Chinese delegation that has come on a goodwill mission to India has come with a letter from the Chinese Foreign Minister inviting our Indian Foreign Minister to visit Peking and, if so, whether the Minister has decided to accept the invitation to go to China on a goodwill mission so that the relationship between the two countries could be improved?

AN HON. MEMBER: Whether he will go with Mr. Subramaniam Swamy.

SHRI SAUGATA ROY: Let him take Mr. Subramaniam Swamy with him.

SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE: The invitation has been accepted in principle. But the visit will take place at an appropriate time and after due preparations. After what has happened in the past, there should be no euphoria on our relations with China.

श्री बृज भूषण तिवारी : अध्यक्ष महोदय क्या मंत्री महोदय बतलायेंगे कि चीन की जो यात्रा वे करने वाले हैं जिसका निमन्त्रण उन्होंने स्वीकार किया है क्या उस यात्रा के दौरान किसी ठोस प्रस्ताव पर वार्ता करने का उनका विचार है या केवल सद्भावना में ही वह यात्रा की जायेगी ?

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अध्यक्ष महोदय यदि चीन जाने का निर्णय होगा तो वह सद्भावना के साथ होगा मगर यात्रा के परिणाम कुछ ठोस निकलें इस बात को ध्यान में रख कर वह यात्रा होगी।

SHRI B. RACHAIAH: May I know whether it is a fact that an impression has been created in other countries, including China, that the Scheduled Castes and Scheduled Tribes, the minorities and the neo-Buddhists have been throttled under the Janata Government and, if so, what measures is he going to take to arrest that impression?

SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE: There is no such impression.

श्री ओम प्रकाश त्यागी : अध्यक्ष महोदय मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं—चाइना हमारे मीजोरम और नागालैंड के विद्रोहियों को लगातार ट्रेनिंग दे रहा है...

MR. SPEAKER: Don't spoil the atmosphere.

श्री ओम प्रकाश त्यागी : मैं पंचशील के आधार पर ही अपनी बात कह रहा हूं।

क्या मंत्री महोदय ने चीनी-दूतावास से इस सम्बन्ध में लिखा-पढ़ी की है कि चीन और भारतवर्ष के बीच अच्छे सम्बन्धों को स्थापित करने के लिये इस प्रकार की जो कार्यवाहियां हैं कि हमारे विद्रोही लोगों को ट्रेनिंग दे कर हमारे खिलाफ भड़काया जा रहा है उसको रोका जाय ?

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अध्यक्ष महोदय जब कभी भी इस तरह की घटनायें हमारे ध्यान में आती हैं तो उन्हें उन के साथ उठाया जाता है ।

———

RE: MOTION FOR ADJOURNMENT

Reported Statement by the Prime Minister on merger of Sikkim

SHRI K. LAKKAPPA (Tumkur): I have sent an adjournment motion on the statement made by the Prime Minister regarding annexing of Sikkim. You kindly adjourn the House for a discussion on the definite issue This is a very important issue.

MR. SPEAKER: I had received it at about 10.45 hours. It is under my examination. I will let you know the result tomorrow.

(Interruptions)

SHRI K. LAKKAPPA: This is very important. It should be taken up today. This is a very important issue. *(Interruptions)* The responsible Prime Minister of India ought not to have made such a Statement. This is a very important issue. *(Interruptions)* He has made such a statement. *(Interruptions)*. Against the sovereignty of this country, he has made such a statement. I will request you to consider my adjournment motion.

MR. SPEAKER: I am considering..

(Interruptions)

SHRI SAUGATA ROY (Barrackpore): You inform us what has been done. We gave notice before 10 O'clock in the proper form, in a proper way. *(Interruptions)*

श्री हुकम चन्द कछवाय (उज्जैन) : मैं एक व्यवस्था चाहता हूं । क्या प्रश्नों के बाद अल्प सूचना प्रश्न नहीं लिया जाएगा ? यह अल्प सूचना प्रश्न है ... (*व्यवधान*)

MR. SPEAKER: I am examining the matter, I have told you. I will give the decision tomorrow.

(Interruptions)

श्री हुकम चन्द कछवाय : अल्प सूचना प्रश्न पहले चलेगा :

SHRI K. LAKKAPPA: When there is an adjournment motion.... *(Interruptions)*. Short Notice Question..... *(Interruptions)*. The Prime Minister of India is attacking the sovereignty of this country.

श्री हुकम चन्द कछवाय : माननीय अध्यक्ष जी मैं आप की व्यवस्था चाहता हूं । यह शार्ट नोटिस क्वेश्चन है । इस को आप पहले लेंगे या उन की बात सुनेंगे ।

SHRI K. LAKKAPPA: The Prime Minister of India is attacking the Sovereignty of India. Our sovereignty is in danger. This is a very important question; it cannot be postponed. *(Interruptions)*.

श्री हुकम चन्द कछवाय : पहले यह शार्ट नोटिस क्वेश्चन लिया जाना चाहिए और उस के होने के बाद आप अपनी बात कहिये । अगर इस तरह की बात आप करेंगे तो हम आप का भी शार्ट नोटिस क्वेश्चन नहीं लेने देंगे । पहले इस शार्ट नोटिस क्वेश्चन का जवाब आ जाए फिर आप अपनी बात कहें । अध्यक्ष जी मैं इस बारे में आप की व्यवस्था चाहता हूं ।

MR. SPEAKER: I am on my legs. I have received two notices. The matter is being examined be me.

(Interruptions)